स्कार्पियो की टक्कर से जबलपुर निवासी युवक सहित दो की मौत

मैहर-रीवा मार्ग पर अमरपाटन के समीप देर रात हादसा

जबलपुर, (एजेंसी)। प्रदेश के मैहर-रीवा मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग-३० स्थित तमस नदी पुल पर रविवार देर रात मोटर साइकिल और स्कॉर्पियो की टक्कर में मोटर साइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई जिनमें से एक जबलपुर निवासी बताया जाता है। हादसे के बाद स्कॉर्पियो का चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा रविवार रात करीब १०:३० बजे हुआ। बाइक सवार दोनों युवक रीवा की ओर जा रहे थे, जबकि स्कॉर्पियो रीवा से मैहर की तरफ आ रही थी। इसी दौरान तमस नदी पुल पर दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की मदद से दोनों घायलों को सिविल अस्पताल मैहर पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शवों को अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया। मृतकों की पहचान शिवम बाथरे (२८), पिता संतोष बाथरे, निवासी शहपुरा भिटौनी, जिला जबलपुर और सुजीत कोल (३२), पिता बाबूलाल कोल, निवासी मौहारी, सेमरिया, रामपुर बघेलान, जिला सतना के रूप में हुई है। जबलपुर के शहपुरा भिटौनी का रहने वाला शिवम अमरपाटन स्थित स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस में ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत था और वहां किराए के कमरे में रहता था। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था। २०२४ में उसकी शादी हुई थी। १५ दिन पहले ही उसके घर बेटे का जन्म हुआ था। वहीं, सुजीत कोल अंबिकापुर की एक कोलियरी में सुपरवाइजर के पद पर नौकरी करता था। पांच साल पहले उसकी शादी हुई थी उसकी एक बेटी है। बताया जाता है कि शिवम छुट्टी पर अपने घर जबलपुर गया था। उसकी बाइक मैहर रेलवे स्टेशन पर खड़ी थी। जबलपुर से ट्रेन से मैहर लौटते समय उसकी मुलाकात सुजीत से हुई। दोनों की जान-पहचान हुई और इसके बाद शिवम की बाइक से दोनों मैहर से अमरपाटन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तमस नदी के पुल पर हादसा हो गया, जिसमें दोनों की मौत हो गई। हादसे में शामिल मोटर साइकिल का नंबर एमपी २० एक्स २८१५ और स्कॉर्पियो का नंबर यूपी ३७ एफ ९८१८ बताया गया है।

केंट बोर्ड के स्कूल परिसर से लगे गोदाम में अचानक भड़की आग

जबलपुर, (एजेंसी)। सुरक्षा संस्थान सीओडी-करौंदी मार्ग पर सोमवार सुबह लगभग ८.३० बजे केंद्रीय आयुध भंडार गृह (सीओडी) से महज कुछ ही मीटर की दूरी पर स्थित टैगोर पब्लिक स्कूल परिसर से सटे एक गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। बताया जाता है कि कैंट बोर्ड द्वारा संचालित इस विद्यालय में करीब ७५० विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। रोज की तरह सोमवार की सुबह ९ बजे बच्चे विद्यालय पहुंचने वाले थे। लिहाजा गंभीर खतरे को देखते हुए पूर्व कैंट बोर्ड सदस्य रंजीत यादव ने तत्काल स्थानीय नागरिकों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास करने के साथ ही नगर निगम एवं रक्षा प्रतिष्ठान सीओडी के अग्निशमन दस्तों को सूचना दी।

सूचना मिलते ही दोनों निकायों के दमकल वाहन तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे और कुछ देर की मशक्कत के बाद आग को काबू में कर लिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक गोदाम की दीवार से विद्यालय की सीमा सटी थी और पास में ही सैन्य डिपो की बाउंड्री वॉल भी लगी हुई थी। समय पर अग्निशामक वाहनों के आने तथा सामूहिक प्रयासों से एक बड़ा हादसा टल गया।

नौकरी का दबाव, रिश्तों की उलझन और संतान की चिंता

भोपाल में मानसिक स्वास्थ्य की चुनौती बढ़ी

भोपाल, (एजेंसी)। काम की डेडलाइन, करियर में आगे बढ़ने की होड़, नौकरी की असुरक्षा और पारिवारिक अपेक्षाओं के बीच मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां बढ़ रही हैं। संतान की इच्छा पूरी नहीं होने से जुड़ा भावनात्मक दबाव भी कई महिलाओं के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में मानसिक रोगों के उपचार के लिए आने वाले मरीजों की संख्या में बीते वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अस्पताल के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष २०२१ में ८,५८९ मरीज पहुंचे थे। २०२२ में यह संख्या बढ़कर १३,१०४ और २०२५ में १८,००३ हो गई। यानी २०२१ की तुलना में २०२५ में मरीजों की संख्या दोगुने से अधिक हो गई। हालांकि, अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को केवल डिप्रेशन के मामलों में वृद्धि मानना सही नहीं होगा। इसमें मानसिक रोगों के अन्य मामले भी शामिल हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जागरूकता बढ़ने, इलाज की उपलब्धता और अस्पताल तक पहुंच आसान होनेसे भी मरीजों की संख्या बढ़ सकती है।

ऑफिस का दबाव कामकाज पर डाल रहा असर

काम पूरा करने की समय-सीमा, लंबे कार्य घंटे, लगातार प्रदर्शन का दबाव और नौकरी जाने की आशंका कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। कई बार इसका असर नींद, एकाग्रता, निर्णय लेने की क्षमता और कार्यक्षमता पर भी पड़ता है। पंडित खुशीलाल आयुर्वेद कॉलेज के एक शोध में सात पेशों से जुड़े लोगों में १६ प्रतिशत में अवसाद पाया गया। अध्ययन में पुरुषों और महिलाओं में इसका अनुपात समान बताया गया। यह आंकड़ा कामकाजी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत को रेखांकित करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, कार्यस्थल पर सहयोग की कमी, लगातार लक्ष्य का दबाव और काम तथा निजी जीवन के बीच संतुलन नहीं बन पाना तनाव बढ़ा सकता है। ऐसी स्थिति में कर्मचारियों के लिए समय पर सहायता उपलब्ध कराना और संस्थानों में बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करना महत्वपूर्ण है।

बांझपन से जूझ रही महिलाओं पर भावनात्मक दबाव

संतान प्राप्ति में कठिनाई केवल चिकित्सा संबंधी चुनौती नहीं है, इससे भावनात्मक और सामाजिक दबाव भी जुड़ सकता है। परिवार की अपेक्षाएं, समाज के सवाल और मातृत्व को लेकर बनी धारणाएं महिलाओं की परेशानी बढ़ा सकती हैं। ३२ अध्ययनों और १.२४ लाख महिलाओं के आंकड़ों के विश्लेषण में बांझपन का सामना कर रही महिलाओं में अन्य महिलाओं की तुलना में मनोवैज्ञानिक तनाव १.६३ गुना अधिक पाया गया। एक अन्य विश्लेषण में ५३ अध्ययनों के आधार पर महिलाओं का औसत तनाव स्कोर पुरुषों की तुलना में अधिक बताया गया। ये निष्कर्ष बताते हैं कि बांझपन के उपचार के साथ भावनात्मक सहयोग और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता भी महत्वपूर्ण हो सकती है। इस दौरान महिला को अकेले जिम्मेदार ठहराने या सामाजिक दबाव बनाने के बजाय दंपती को संवेदनशीलता और सहयोग की जरूरत होती है।

समय पर पहचान और सहायता जरूरी

मानसिक तनाव हर व्यक्ति में एक जैसा दिखाई नहीं देता। लगातार उदासी, पहले पसंद आने वाली गतिविधियों में रुचि कम होना, नींद या भूख में बदलाव, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में परेशानी जैसे लक्षण लंबे समय तक बने रहें, तो विशेषज्ञ से परामर्श लेना उपयोगी हो सकता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को कमजोरी मानने के बजाय समय पर पहचानना और उपचार लेना जरूरी है।

परिवार, कार्यस्थल और सामाजिक परिवेश में सहयोगपूर्ण व्यवहार भी राहत देने में मदद कर सकता है। हमीदिया अस्पताल में मरीजों की संख्या में हुई वृद्धि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत पर ध्यान आकर्षित करती है।

परिचित महिलाने उड़ाए १० लाख

रील बनाने और फोटो खिंचवाने के लिए रखवाएं अपनी स्कूटी में

इन्दौर, (एजेंसी)। बैंक में १० लाख रुपए जमा करवाने जा रहे ज्वैलर्स के मैनेजर को अपनी पूर्व परिचित महिला की नोटो के साथ फोटो खिंचवाने और रील बनाने की बात मानना महंगा पड़ गया। महिला १० लाख रुपए लेकर फरार हो गई। उसने अपनी रील बनाने के लिए अपनी एक्टिवा की डिक्की में रूपए रखवाएं और आने का कहकर गई तो वापस ही नहीं आई। मामला एमजी रोड थाना क्षेत्र का है और पीड़ित का नाम अंकित उपाध्याय है वह सराफा स्थित सांवरवाला ज्वैलर्स में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। अंकित ने अपनी पूर्व परिचित महिला आयुषी बागदे उर्फ आयुषी वर्मा निवासी स्नेहलता गंज के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते पुलिस को बताया कि गत ८ अक्टूबर २०२६ को दोपहर करीब एक बजे वह शोरूम का १० लाख रुपए का कलेक्शन बैंक में जमा कराने के लिए मोपेड से जा रहा था। इस दौरान डीआरपी लाइन के पास भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के गेट पर उसे अपनी आयुषी बागदे उर्फ आयुषी वर्मा मिली और कहा कि वह अक्सर बड़ी रकम बैंक में जमा कराने जाता है उसे पैसों के साथ फोटो खिंचवाने और इंस्टाग्राम रील बनाना है। अंकित ने पहले इनकार कर दिया, लेकिन यह आयुषी की जिद और कसम देने पर वह स्नेहलतागंज स्थित उसके घर के पास चला गया। जहां आयुषी ने अंकित से १० लाख रुपए अपनी एक्टिवा की डिग्गी में रखने को कहा। उसने भरोसा दिलाया कि रील बनाने के बाद रुपए वापस कर देगी। परिचित होने के कारण अंकित ने रकम डिग्गी में रख दी। इसके बाद आयुषी एक्टिवा लेकर वहां से चली गई और वापस नहीं लौटी। घटना के बाद अंकित ने अपने मालिक को पूरी जानकारी दी और उनके साथ एमजी रोड थाने पहुंच आवेदन दिया। थाना प्रभारी विजय सिसौदिया के अनुसार पुलिस ने आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कर युवती के संबंध में जानकारी जुटाने के साथ सभी एंगल से जांच कार्रवाई कर रही है।

प्रदेश में बिजली संकट, ग्रामीण इलाकों में ८ घंटे तक की कटौती

कोयले की कमी से थर्मल प्लांटों का उत्पादन प्रभावित, कम बारिश से जलविद्युत पर भी असर

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में बिजली संकट गहराने से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लोगों की परेशानी बढ़ गई है। प्रमुख शहरों को छोड़ दिया जाए तो प्रदेश के बड़े हिस्से में दो से आठ घंटे तक बिजली कटौती किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे किसानों, व्यापारियों और आम लोगों में नाराजगी है। कई जगह लोग बिजली उपकेंद्रों पर पहुंचकर आपूर्ति बहाल करने की मांग कर रहे हैं, जबकि जनप्रतिनिधियों को भी जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है।

बिजली आपूर्ति की समस्या को लेकर करीब १५ से २० विधायकों ने मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री और बिजली कंपनियों के प्रबंध निदेशकों को पत्र लिखकर चिंता जाहिर की है। विधायकों ने फसलों को नुकसान होने और दुर्गा उत्सव के दौरान बिजली कटौती से लोगों को हो रही परेशानी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बिजली संकट के चलते राज्यमंत्री करण सिंह वर्मा, राजगढ़ सांसद रोडमल नागर और महिदपुर विधायक दिनेश जैन बोस को आमजनता के विरोध का सामना करना पड़ा है। वहीं दूसरी तरफ राज्यमंत्री गौतम टेटवाल को वीडियो जारी कर बताना पड़ गया कि उन्होंने बिजली आपूर्ति के संबंध में बिजली कंपनीके अधिकारियोंसे चर्चा की है।

बढ़ती मांग और कोयले की कमी प्रमुख वजह

इस संबंध में ऊर्जा विभाग का कहना है, कि पिछले साल अक्टूबर के पहले सप्ताह में प्रदेश में बिजली की मांग करीब १२ हजार मेगावाट थी, जो इस वर्ष बढ़कर १६ हजार मेगावाट तक पहुंच गई है। दूसरी ओर, कोयले की कमी और तकनीकी खराबी के कारण कई बिजली संयंत्र पूरी क्षमता से उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। खरगोन, बिरसिंहपुर, विंध्याचल और आरकेएम पावर प्लांट की ८०० मेगावाट क्षमता वाली इकाइयां तकनीकी खराबी के कारण बंद बताई गई हैं। प्रदेश में करीब २५ हजार मेगावाट बिजली उपलब्धता का दावा किया जाता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि संकट के समय बिजली खरीद समझौते (पीपीए) अपेक्षित मदद नहीं कर पा रहे हैं।

जलविद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा पर भी असर

कम बारिश के कारण इंदिरा सागर, सरदार सरोवर, ओंकारेश्वर और गांधीसागर जैसे जलविद्युत संयंत्रों से मिलने वाली लगभग १,२८५ मेगावाट बिजली प्रभावित हुई है। वहीं, सौर ऊर्जा से दिन में करीब पांच हजार मेगावाट बिजली मिलने के बावजूद रात में इसका उत्पादन शून्य हो जाता है। बैटरी भंडारण और पंप स्टोरेज जैसी सुविधाओं की कमी इस समस्या को बढ़ाती है। प्रदेश में २,८०० मेगावाट क्षमता वाली पवन ऊर्जा परियोजनाओं से भी रात में हवा की अनुकूल गति नहीं होने के कारण महज २५० से ३०० मेगावाट बिजली मिलने की बात कही गई है।

बढ़ती गर्मी और सिंचाई ने बढ़ाया दबाव

औसत तापमान में बढ़ोतरी के साथ बिजली की मांग बढ़ी है। मालवा समेत कई क्षेत्रों में कम बारिश के कारण किसानों को फसल बचाने के लिए सिंचाई पंप चलाने पड़ रहे हैं। इससे बिजली की खपत बढ़ गई है। दूसरी ओर, पावर एक्सचेंज में बिजली की कीमत १० रुपये प्रति यूनिट तक पहुंचने से महंगी बिजली खरीदना भी चुनौती बन गया है। इन परिस्थितियों में प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में बिजली संकट ने लोगों की परेशानी और

तेज आवाज में डीजे बजाने पर कारवाई

रांझी, सिविल लाईन ओर गोहलपुर में साउंड सिस्टम जब्त

जबलपुर, (एजेंसी)। शहर में ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण और कलेक्टर के आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने बिना अनुमति तेज आवाज में डीजे बजाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। रांझी, सिविल लाइन और गोहलपुर थाना क्षेत्रों में पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए डीजे साउंड सिस्टम, एम्पलीफायर, मिक्सर मशीन और अन्य उपकरणों के साथ वाहनों को जब्त किया है। संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

रांझी में ट्रक से बज रहा था तेज आवाज में डीजे

रांझी थाना प्रभारी उमेश कुमार गोल्हानी के अनुसार, १२ अक्टूबर की रात सूचना मिली कि गोकलपुर मेन रोड पर एक ट्रक में तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा है, जिससे आम लोगों को परेशानी हो रही है। पुलिस ने मौके पर दबिश दी तो स्वराज माजदा ट्रक क्रमांक एमएच ०६ जी ३६९१ में तीन छोटे और १२ बड़े डीजे बॉक्स लगे मिले। इनसे तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाए जा रहे थे।साउंड संचालक की पहचान ३२ वर्षीय शैलेन्द्र कुमार श्रीवात्री, निवासी ग्राम घाना, खमरिया के रूप में हुई। पुलिस द्वारा अनुमति मांगे जाने पर वह वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने ट्रक, १५ डीजे बॉक्स, एक मिक्सर मशीन, दो एम्पलीफायर और एक जनरेटर जब्त कर आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की धारा ७/१५ के तहत कार्रवाई की।

सिविल लाइन में पिकअप वाहन से बज रहा था साउंड

सिविल लाइन थाना प्रभारी शशि धुर्वे के अनुसार, ११ अक्टूबर को पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस लाइन गेट के सामने महिंद्रा पिकअप वाहन क्रमांक एमपी २० जेडक्यू ७०८० में तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्र बजते मिले। साउंड ऑपरेटर २८ वर्षीय अविनाश पासवान निवासी न्यू कंचनपुर, अधारताल से अनुमति के संबंध में पूछताछ की गई, लेकिन वह अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका।

पुलिस ने पिकअप वाहन, आठ बड़े साउंड बॉक्स, एक मिक्सर मशीन और एम्पलीफायर जब्तकर आरोपी के विरुद्ध धारा ७/१५ मध्यप्रदेश कोलाहल अधिनियम के तहत कार्रवाई की।

गोहलपुर में भी बिना अनुमति बज रहा था डीजे

गोहलपुर थाना प्रभारी के अनुसार, १२ अक्टूबर को पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली कि एक वाहन में तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा है। पुलिस ने अहिंसा चौक पर दबिश दी, जहां डीजे उपकरणों से लदा वाहन मिला। वाहन चालक ने अपना नाम २९ वर्षीय सौरभ विश्वकर्मा निवासी कृष्णा कॉलोनी, गोहलपुर बताया। अनुमति के संबंध में पूछताछ करने पर उसके पास वैध अनुमति नहीं मिली।पुलिस ने दो बड़े और छह छोटे डीजे बॉक्स, छह लाइटें, डीजल इंजन, एम्पलीफायर और स्टेबलाइजर सहित वाहन जब्त किया। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा २२३(ए) तथा मध्यप्रदेश कोलाहल अधिनियम की धारा ७/१५ के तहत कार्रवाई की गई।पुलिस ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाने और निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

ट्रेन की चपेट में आकर सेना के रिटायर्ड हवलदार की मौत

मार्निंग वाक करते समय रेलवे ट्रैक पार करते समय हुआ हादसा

भोपाल, (एजेंसी)। शहर के गौतम नगर थाना इलाके में बीती अलसुबह रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से सेना के रिटायर्ड हवलदार की मौत हो गई। बताया गया है की मृतक मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकले थे, इसी दौरान रेलवे ट्रैक पार करते समय वह हादसे का शिकार हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार प्रेम नगर नारियल खेड़ा में रहने वाले ५७ वर्षीय सुरेश सिंह कनर्जी पिता भवानी सिंह कनर्जी सेना में हवलदार के पद से रिटायर्ड हुए थे। वह रोजाना सुबह मॉर्निंग वॉक के लिये जाते थे। बताया गया है कि सोमवार सुबह भी वह मॉर्निंग वॉक के लिये घर से निकले थे। रेलवे ट्रैक पार करते समय वे ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर पहुंची गौतम नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर घटनास्थल की जांच के बाद शव को पीएम के लिये मर्चुरी में रखवा दिया। मृतक सुरेश सिंह का बेटा हरीश भी सेना में नायक के पद पर तैनात है। पुलिस ने बताया की उसके भोपाल लौटने पर सुरेश सिंह के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि हादसा रेलवे ट्रैक पार करते समय हुआ। परिजनों ने भी सुरेश सिंह की मौत को लेकर किसी तरह का संदेह जाहिर नहीं किया है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है।

दुर्गोत्सव के पहले ही ध्वनि प्रदूषण के नियमों की उड़ रहीं धज्जियां

जबलपुर, (एजेंसी)। दुर्गोत्सव शुरू होने से पहले ही शहर में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के नियमों की अनदेखी की जा रही है। बिना अनुमति डीजे और लाउडस्पीकर बजाए जा रहे हैं। स्थिति यह है कि रात १० बजे की समय-सीमा के बाद भी कई स्थानों पर तेज आवाज में डीजे बजने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले को लेकर जनसंगठनों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। जनसंगठनों ने बताया कि ९ अक्टूबर को अपर जिला मजिस्ट्रेट रविशंकर राय ने ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए आदेश जारी कर रात १० बजे से सुबह ६ बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया था। इसके बावजूद दुर्गोत्सव के पहले ही दिन जगह-जगह नियमों का उल्लंघन देखने को मिला। आरोप है कि ९० प्रतिशत से अधिक डीजे बिना अनुमति के बजाए जा रहे हैं।

डीजे जब्त कर दोषियों पर दर्ज हो एफआईआर

जनसंगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि नियमों का उल्लंघन करने

९० प्रतिशत डीजे बिना अनुमति बज रहे, रात १० बजे के बाद भी जारी रहता है शोर

वाले डीजे जब्त किए जाएं और संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए। साथ ही, प्रत्येक क्षेत्र में निगरानी समितियों का गठन किया जाए, जो प्रतिदिन ध्वनि प्रदूषण की स्थिति पर नजर रखकर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से भी मांग की कि अधिकारी प्रत्येक क्षेत्र में जाकर ध्वनि स्तर की जांच करें और प्रतिदिन इसकी रिपोर्ट तैयार करें, ताकि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो सके।

निगरानी समितियां गठित करने का आश्वासन

इन मांगों को लेकर जनसंगठनों के प्रतिनिधियों ने १२ अक्टूबर को अपर जिला मजिस्ट्रेट रविशंकर राय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि तत्काल निगरानी समितियों का गठन किया जाएगा और उनसे रिपोर्ट मांगी जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से ध्वनि प्रदूषण के संबंध में रिपोर्ट प्राप्त की जाएगी। इस अवसर पर डॉ. पी.जी. नाजपांडे, एडवोकेट वेदप्रकाश अधोलिया, सुभाषचंद्र, डी.आर. लखेरा, गीता पांडे, अशोक यादव, यशवंत कोठा, एडवोकेट ब्रजेश साहू तथा राममिलनउपस्थित थे।

ओबीसी आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट जाएगी सरकार

विधि विशेषज्ञों से ली गई कानूनी सलाह

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का मामला एक बार फिर गरमा गया है। राज्य सरकार इस मुद्दे पर अब सीधे सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में जुट गई है। ओबीसी आरक्षण को १४ प्रतिशत से बढ़ाकर २७ प्रतिशत किए जाने की मांग और इससे जुड़ी कानूनी पेचीदगियों को लेकर सरकार गंभीर कदम उठाने जा रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सामान्य प्रशासन विभाग ने इस मामले में देश और प्रदेश के वरिष्ठ विधि विशेषज्ञों से विस्तृत अभिमत और कानूनी सलाह ले ली है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने से पहले मामले के सभी कानूनी पहलुओं और तकनीकी पक्षों पर गहन चर्चा की गई है। वरिष्ठ वकीलों की अगुवाई में याचिका का प्रारूप तैयार किया जा रहा है और कभी भी सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की जा सकती है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने ओबीसी आरक्षण को लेकर १४ प्रतिशत ही सीमा रखने का फैसला सुनाया था, जिसके बाद से राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर इसे लेकर लगातार सुगबुगाहट तेज थी।

सरकार के इस कदम से पहले विपक्षी दल कांग्रेस और ओबीसी महासभा भी लगातार यह मांग उठाती रही हैं कि प्रदेश में ओबीसी वर्ग को २७ प्रतिशत आरक्षण का पूरा लाभ मिलना चाहिए। इन संगठनों ने भी पहले ही सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की बात कही थी। बहरहाल, अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल होने वाली याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय का क्या रुख रहता है।

फरीदाबाद में 'पत्थर गैंग' से मुठभेड़, दो बदमाशों के पैरों में लगी गोली

पकड़े गए पांच में चार गुना के, १५ हजार का इनामी प्रताप भी शामिल

गुना, (एजेंसी)। हरियाणा के फरीदाबाद में क्राइम ब्रांच और मध्यप्रदेश से जुड़े एक अंतरराज्यीय गिरोह के बीच हुई मुठभेड़ का सीधा कनेक्शन गुना जिले से सामने आया है। पुलिस कार्रवाई में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी, जबकि गिरोह के पांच अन्य सदस्यों को भी दबोच लिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गिरफ्तार पांच आरोपियों में चार गुना जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जबकि एक विदिशा का है। इनमें गुना जिले से १५ हजार रुपए का इनामी प्रताप भी शामिल बताया गया है, जिस पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के अनुसार ये सभी डकैती और चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़े हैं।

फरीदाबाद पुलिस के मुताबिक क्राइम ब्रांच सेक्टर-१६ की टीम को गिरोह के सदस्यों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद बल्लभगढ़ सदर थाना क्षेत्र में सोतई गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस टीम को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी और वे मौके पर ही गिर पड़े। इसके बाद पुलिस ने उनके पांच अन्य साथियों को भी पकड़ लिया। घायल आरोपियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह के सदस्य मध्यप्रदेश से दूसरे राज्यों में जाकर वारदात करते थे। पुलिस के अनुसार इनके पास से एक देसी कट्टा, दो कारतूस, दो कुल्हाड़ियां, गुलेल, कंचे और दरवाजे तोड़ने में उपयोग होने वाला सामान बरामद हुआ है। गिरोह का तरीका भी सामान्य चोरों से अलग बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतबीर और सुखलाल निवासी गांव रुशिया टपरा, जिला विदिशा तथा प्रताप, बेताल, धनसिंह, देवधर और हरबीर निवासी गांव कनेरा, जिला गुना, मध्य प्रदेश के रूप में हुई है. आरोपियों के कब्जे से एक देसी कट्टा, दो कारतूस, दो बड़े चाकू, दरवाजे तोड़ने के लिए इस्तेमाल होने वाले दो सरिये, दो गुलेल और १७ कंचे बरामद किए गए हैं. पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य दिन में अलग-अलग कॉलोनियों और घरों की रेकी करते थे। रात में चिन्हित मकानों के पास पहुंचकर पहले पत्थर अथवा गुलेल से कंचा मारकर खिड़की का शीशा तोड़ा जाता था।

आदिशंकर अस्पताल में कथित चिकित्सीय लापरवाही से वृद्धा की मौत, ४ लोगों पर एफआईआर के निर्देश

सीएमएचओ ने जांच रिपोर्ट के आधार पर की कारवाई अस्पताल प्रबंधन से ३ दिन में मांगा जवाब

जबलपुर, (एजेंसी)। गोरखपुर थाना क्षेत्र स्थित आदिशंकर अस्पताल में कथित चिकित्सीय लापरवाही के कारण ७९ वर्षीय विमला केशरवानी की मृत्यु के मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. नवीन कोठारी ने सख्त रुख अपनाया है। विभागीय जांच रिपोर्ट के आधार पर अस्पताल प्रबंधक डॉ. अमित गुप्ता, सुरेंद्र साहू, कथित चिकित्सक अजय श्रीवास्तव और एम्बुलेंस चालक सलमान खान सहित चार लोगों के खिलाफ पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, अस्पताल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल को मिली शिकायत के बाद सीएमएचओ ने मामले की विभागीय जांच कराई थी। जांच में एम्बुलेंस में उपलब्ध जीवनरक्षक सुविधाओं और तैनात कर्मचारियों की योग्यता को लेकर गंभीर सवाल सामने आए हैं।

जांच के अनुसार, २२ जुलाई २०२६ को विमला केशरवानी को उपचार के लिए नागपुर ले जाने हेतु वाहन क्रमांक एमपी २० जीबी ०८४४ से रवाना किया गया था। आरोप है कि अस्पताल से लगभग पांच से दस किलोमीटर आगे बढ़ने के बाद एम्बुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर खाली हो गया। दूसरा सिलेंडर बदलने के दौरान ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित हुई, जिसके बाद रास्ते में मरीज की मृत्यु हो गई।

सीएमएचओ द्वारा गठित जांच दल ने एम्बुलेंस में तैनात कथित चिकित्सक अजय श्रीवास्तव की योग्यता तथा पैरामेडिकल कर्मचारियों की निर्धारित अर्हताओं को लेकर भी सवाल उठाए हैं। जांच में जीवनरक्षक व्यवस्थाओं और आवश्यक मानकों के पालन में गंभीर कमियां सामने आने की बात कही गई है।

मामले में परिजनों द्वारा अभद्रता किए जाने और जांच में सहयोग नहीं करने संबंधी आरोपों को भी गंभीरता से लिया गया है। सीएमएचओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मरीज को रेफर करते समय जीवनरक्षक सुविधाओं की अनदेखी और अप्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए।अस्पताल प्रबंधन से तीन दिन में जवाब मांगा गया है। निर्धारित समयावधि समाप्त होने के बाद अस्पताल के संचालन को लेकर भी

नहर बनी काल, एक युवक की मौत, बालक लापता

पनागर, उमरिया नहर में हादसे

जबलपुर, (एजेंसी)। जिले में नहर में नहाने के दौरान हुए दो अलग-अलग हादसों में एक युवक की डूबने से मौत हो गई, जबकि १० वर्षीय बालक तेज बहाव में बहकर लापता हो गया। पनागर थाना क्षेत्र में नहर में डूबने से जान गंवाने वाले युवक की पहचान दीपचंद भूमिया के रूप में हुई है। वहीं, खमरिया थाना क्षेत्र की उमरिया नहर में बबलू ठाकुर का १० वर्षीय बेटा आशीष ठाकुर नहाते समय पानी के तेज बहाव में बह गया। बालक की तलाश के लिए पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपचंद नशे की हालत में नहाने के लिए नहर में उतरा था और नहाते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वे गहरे पानी में पहुंच गए। पानी की गहराई अधिक होने के कारण वह बाहर नहीं निकल सके। सोमवार करीब ८ बजे झुरझुरू के पास दीपचंद का शव बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में नशे की हालत में पानी में जाने के दौरान डूबने से मौत होने की आशंका जताई गई है।

१० वर्षीय बालक नहर में डूबा

दूसरी घटना खमरिया थाना क्षेत्र की उमरिया नहर की है। पुलिस के अनुसार, बबलू ठाकुर का १० वर्षीय बेटा आशीष ठाकुर अपने कुछ दोस्तों के साथ नहर के पास गया था। दोपहर में नहाते समय वह अचानक पानी के तेज बहाव की चपेट में आ गया और संतुलन खोकर गहरे पानी में चला गया। देखते ही देखते वह पानी की धारा के साथ बह गया। साथ मौजूद बच्चों से घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और पुलिस को सूचना दी।

बालक के लापता होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने तलाश शुरू कराई।

४१ शहरों का ब